शीर्ष प्राथमिकता

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

समस्त मुख्य शिक्षा अधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पत्रांक/सेवायें/ /2013–14 दिनांक 22 नवम्बर, 2013

विषयः **विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक यह संज्ञान में आया है कि दुर्गम क्षेत्र के कतिपय विद्यालयों में छात्र तो पंजीकृत हैं, किन्तु शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। जिससे छात्र–छात्राओं का शिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रहा हैं। इसी प्रकार कतिपय विद्यालय ऐसे हैं, जिनमें शिक्षक तो कार्यरत हैं, किन्तु उनमें छात्र–छात्रायें उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार की स्थिति से विभाग के सामने विपरीत स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसे विद्यालयों का परीक्षण कर चिन्हीकरण आवश्यक है।

अतः जनपद के प्रत्येक विद्यालय में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से सुनिश्चित करने हेतु नियमानुसार यथोचित कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

भवदीय

(राधिका झा)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

पृ.सं./सेवायें/5717-30/2013–14 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं उक्त पर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रमुख सचिव, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन को अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, मा. शिक्षा मंत्री जी उत्तराखण्ड को मा. मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड
5. अपर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
6. अपर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
7. प्रभारी, एम.आई.एस. को इस निर्देश के साथ कि इस पत्र को विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

(राधिका झा)
महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड